## भारत के प्रमुख दर्रे

1. **कराकोरम दर्रा :** यह दर्रा जम्मू-कश्मीर राज्य के लद्दाख क्षेत्र में काराकोरम श्रेणियों के मध्य स्थित है। यह 5,654 मीटर ऊंचा है। यहां से चीन को एक सड़क भी बनाई गई है। प्राचीन काल में इस दर्रे से यारकंद भी जाते थे।
2. **जोजिला दर्रा :** जम्मू-कश्मीर राज्य की जास्कर श्रेणी में यह दर्श स्थित है। इसकी ऊंचाई 3,529 मीटर है, श्रीनगर से लेह जाने का मार्ग इसी दर्रे से गुजरता है।
3. **पीर पंजाल दर्रा :** यह जम्मू-कश्मीर राज्य के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। यह पीरपंजाल के मध्य 3,494 मीटर ऊंचा दर्रा है।
4. **बनिहाल दर्रा :** यह जम्मू-कश्मीर राज्य के दक्षिण-पश्चिम में पीर-पंजाल श्रेणियों में स्थित है। इसकी ऊंचाई 2,832 मीटर है। जम्मू से श्रीनगर का मार्ग इसी दर्रे से गुजरता है।
5. **शिपकी ला दर्रा :** यह दर्रा हिमाचल प्रदेश के जास्कर श्रेणी में स्थित है। इस दर्रे से होकर शिमला से तिब्बत जाने का मार्ग है।
6. **रोहतांग दर्रा :** हिमाचल प्रदेश में पीर पंजाल श्रेणियों में यह दर्श स्थित है। इसकी ऊंचाई 4,631 मीटर है।
7. **बड़ालाचा दर्रा :** यह हिमाचल प्रदेश में जास्कर श्रेणियों के मध्य स्थित है। इसकी ऊंचाई 4,512 मीटर है। मंडी से लेह जाने के मार्ग में इसी दर्रे से गुजरना पड़ता है।
8. **माना दर्रा :** यह उत्तरांचल के कुमायूं श्रेणियों में स्थित है। इस दर्रे से होकर भारतीय तीर्थयात्री मानसरोवर झील और कैलाश घाटी के दर्शन हेतु जाते हैं।
9. **नीति दर्रा :** यह दर्रा भी उत्तरांचल के कुमायूं प्रदेश में स्थित है। यह 5,389 मीटर ऊंचा है। यहां से भी मानसरोवर झील और कैलाश घाटी जाने का मार्ग खुलता है।
10. **नाथू ला दर्रा :** यह सिक्किम राज्य में डोगेक्या श्रेणी में नाथू ला दर्रा स्थित है। यह भारत-चीन युद्ध में अपने सामरिक महत्व के कारण अधिक चर्चित रहा था। यहां से दार्जिलिंग और चुंबी घाटी होकर तिब्बत जाने का मार्ग है।
11. **जौलेम-ला दर्रा :** यह दर्रा भी सिक्किम राज्य में है। भूटान जाने वाला मार्ग इसी दर्रे से गुजरता है। यहां से भी दार्जिलिंग और चुंबी घाटी होकर तिब्बत जाने का मार्ग है।
12. **बोम्डि ला दर्रा :** यह अरुणाचल प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है। बोम्डि ला से तवांग होकर तिब्बत जाने का मार्ग है।

**नोटः** ध्यातव्य है कि दर्रे को तिब्बती भाषा में 'ला' कहते हैं। नियमानुसार इसे शिपकी दर्रा अथवा शिपकी ला कहना चाहिए, परंतु प्रचलन में शिपकी ला दर्रा ही है।

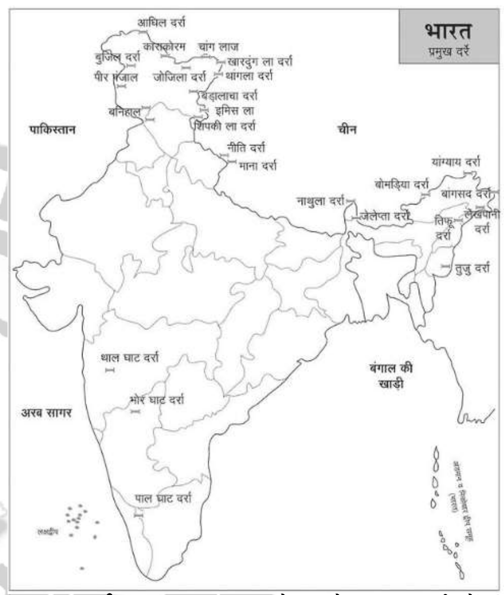


13. **यांग्याप दर्रा :** अरुणाचल प्रदेश के उत्तर-पूर्व में स्थित है। इसके पास से ही ब्रह्मपुत्र नदी भारत (अरुणाचल प्रदेश) में प्रवेश करती है। यहां से चीन के लिए मार्ग भी खुलता है।
14. **दिफू दर्रा :** अरुणाचल प्रदेश के पूर्व में म्यांमार सीमा पर यह दर्श स्थित है।
15. **पांग साड दर्रा :** यह अरुणाचल प्रदेश के दक्षिण-पूर्ण में म्यांमार सीमा पर स्थित है। डिब्रूगढ़ से म्यांमार जाने का मार्ग इसी दर्रा से गुजरता है।
16. **तुजु दर्रा :** यह मणिपुर राज्य के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। इंफाल से तामु और म्यांमार जाने के लिए इसी दर्रे से रास्ता जाता है।
17. **बाल घाट :** यह महाराष्ट्र राज्य में पश्चिमी घाट की श्रेणियों में स्थित प्रमुख दर्रा है। इसकी ऊंचाई 583 मीटर है। यहां से होकर दिल्ली-मुंबई के प्रमुख सड़क व रेलमार्ग गुजरते हैं।
18. **भोरघाट :** यह दर्रा भी महाराष्ट्र राज्य के पश्चिमी घाट श्रेणियों में स्थित है। पुणे-बेलगाम रेलमार्ग और सड़क मार्ग इसी दर्रे से गुजरता है।
19. **पालघाट :** यह केरल राज्य के मध्य-पूर्व में नीलगिरि की पहाड़ियों में स्थित है। इसकी ऊंचाई 305 मीटर है। कालीकट-त्रिचोर से कोयंबटूर-इंडोर के रेल व सड़क मार्ग इसी दर्रे से गुजरते हैं।

# प्रमुख नदियों का विवरण

| नदियां | उद्‌गम स्त्रोत | कुल लंबाई (किलोमीटर में) | महत्वपूर्ण सहायक नदियां | अन्य महत्वपूर्ण विशेषताएं |
|---|---|---|---|---|
| 1. सिंधु | तिब्बत में मानसरोवर झील के निकट कैलाश पर्वत के उत्तरी ढाल से (5000 मीटर की ऊंचाई से) | 2897 (फुल) 709 (भारत में) | ऊंचे पर्वतीय भाग में श्योक एवं गिलगित (दाहिने किनारे से) तथा जास्कर (बाएं किनारे से) मैदानी भाग में झेलम, चेनाब, रावी, सतलज एवं व्यास | नंगा पर्वत के उत्तर बुंजी नामक स्थान पर हिमालय में 5181 मीटर गहरे गार्ज का निर्माण करती है। ग्रीष्म ऋतु में बर्फ के पिघलने से इसमें जलस्तर काफी बढ़ जाता है। यह एक पूर्ववर्ती नदी है। यह अरब सागर में गिरती है। |
| 2. झेलम | बेरीनाग के झरने से | 400 (भारत में) | किशनगंगा (दाहिने किनारे से) | यह वुलर झील से होकर बहती है। अनंतनाग एवं बारामूला के बीच नौगम्य है। पाकिस्तान में झंग (Jhang) के निकट चेनाब से मिल जाती है। |
| 3. चेनाब | लाहुल क्षेत्र में बारालाचा दरें के निकट (4900 मी. की ऊंचाई से) | 1180 (भारत में) | -- | हिमालय प्रदेश में इसे चन्द्रभागा के नाम से जाना जाता है। |
| 4. रावी | रोहतांग दरें के निकट | 725 | -- | -- |
| 5. व्यास | रोहतांग दरें के निकट व्यास | 470 कुंड (4000 मी.) | -- | कुल्लू जिले में इसकी घाटी को कुल्लू घाटी के नाम से जाना जाता है। यह सतलज नदी से हरिको के निकट मिल जाती है। |
| 6. सतलुज | तिब्बत में स्थित राक्षसताल झील (4555 मीटर) | 1050 (भारत में) | स्पीति (दाहिने से) व्यास (दाहिने से) | भाखरा के निकट भाखड़ा बांध का निर्माण किया गया है जिसके पीछे गोविंद सागर जलाशय है। |
| 7. गंगा | गंगोत्री हिमनद; (उत्तर प्रदेश के महान हिमालय - में 6600 मीटर की ऊंचाई पर) | 2510 | प्रयाग के निकट यमुना, गाजीपुर के निकट गोमती, छपरा के निकट घाघरा, पटना के निकट सोन, बाएं किनारे पर रामगंगा, घाघरा, गंडक, बूढ़ी गंडक, बागमती, कोसी। दाएं किनारे पर यमुना, सोन, दामोदर। | देव प्रयाग के ऊपर इसे भागीरथी कहा जाता है। देवप्रयाग में अलकनंदा के मिलने के पश्चात् इसे गंगा के नाम से जाना जाता है। हरिद्वार के निकट, हिमालय को छोड़कर यह मैदान में उतरती है। भागीरथी हुगली, पश्चिम बंगाल में इसकी सबसे पश्चिमी शाखा का नाम है। हरिद्वार, प्रयाग, वाराणसी, कानपुर, पटना, कोलकाता आदि महानगर इसके तट पर स्थित हैं। यह पूर्वगामी नदी है। बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र की एक शाखा जमुना के मिलने के पश्चात् इसे पद्मा नाम से जाना जाता है। |
| 8. यमुना | यमुनोत्री हिमनद | 1385 | दाएं किनारे से - चम्बल, सिंध, बेतवा, केन | पूर्वकाल में यह अरावली की पहाड़ियों के पश्चिम से बहती हुई थार मरुभूमि में सरस्वती नदी की सहायक या मुख्य शाखा के रूप में प्रवाहित होती थी। दिल्ली, मथुरा व आगरा इसके तट पर स्थित हैं। |

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 9. रामगंगा | गढ़वाल हिमालय में नैनीताल के निकट | 600 | -- | कन्नौज के निकट गंगा में मिल जाती है। |
| 10. घाघरा | ट्रांस हिमालय में मापचा चुंगी हिमनद | 1080 | राप्ती (बाएं किनारे से) शारदा | इसे पहाड़ी क्षेत्र में करनाली तथा मैदानी क्षेत्र में घाघरा कहा जाता है। यह नदी हमेशा अपना मार्ग परिवर्तित करती रहती है। |
| 11. शारदा | कुमाऊं के पूर्वी भाग में मिलाप हिमनद | | धर्मा, लीसड़, पूर्वी रामगंगा | इसे काली, सरयू, गौरी गंगा आदि नामों से भी जाना जाता है। यह बहरमपाट के निकट घाघरा से मिल जाती है। |
| 12. गंडक | नेपाल हिमालय (7600 मीटर की ऊंचाई से) | 730 (भारत में) | काली गंडक, त्रिशूल गंगा | सोनपुर के निकट गंगा में मिल जाती है। घाघरा की तरह यह भी अपना मार्ग परिवर्तित करती रहती है। इसे नेपाल में सालिग्रामी व मैदान में नारायणी कहा जाता है। |
| 13. बूढ़ी गंडक | सोमेश्वर पहाड़ी की पश्चिमी ढाल से | 610 | | मुंगेर के निकट गंगा में मिल जाती है। |
| 14. कोसी | पूर्वी नेपाल | 730 | यारू, कोशी, तमूर | ऊपरी भाग में इसे अरुणा के नाम से जाना जाता है। यह नदी भी अपना मार्ग बदलती रहती है। |
| 15. ब्रह्मपुत्र | तिब्बत में मानसरोवर के निकट | 2580 (कुल) 885 (भारत में) | सुबनसिरी, भरेली, तिस्ता एवं मानस (दाहिने से); दिबांग, लोहित, बूढ़ी दिहांग, धनसिरी, कपोली (बाएं किनारे से) | तिब्बत में इसे सांपों के नाम से जाना जाता है। हिमालय को काटने के पश्चात इसे अरुणाचल में दिहांग कहा जाता है। जमुना एवं मेघना बांग्लादेश में ब्रह्मपुत्र नदी की दो शाखाएं हैं। जमुना एवं गंगा के मिलने के पश्चात इसे पद्मा कहा जाता है। विश्व का सबसे बड़ा नदी द्वीप माजुली ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित है। बंगाल की खाड़ी से लेकर डिबरूगढ़ तक (1280 किलोमीटर) की दूरी तक यह नदी नौगम्य है। |
| 16. दामोदर | छोटानागपुर का पठार | 541 | कोनार, जमुनिया, बराकर | यह नदी बाल में हुगली में मिल जाती है। |
| 17. नर्मदा | अमरकंटक का पठार | 1312 | उत्तर से हिरण, बारना एवं दक्षिण से दूधी, तवा एवं शेर | दुग्ध धारा, कपिलधारा, धुआंधार आदि जल प्रपात इस पर स्थित हैं। भड़ौच के निकट, एस्बुएरी का निर्माण करती है। यह नदी खंभात की खाड़ी में गिरती है। विंध्य एवं सतपुड़ा पर्वत के बीच दरार घाटी से होकर प्रवाहित होती है। |
| 18. ताप्ती | मध्य प्रदेश के बैतूल जिल का मुल्तई नामक स्थान | 724 | पुरना, बैतूल, क्षिप्रा, मोर | सतपुड़ा एवं अजंता श्रेणी के बीच स्थित दरार घाटी से होकर प्रवाहित होती है। यह एक एचुएरी का निर्माण करती है एवं खंभात की खाड़ी में गिरती है। सूरत इसके तट पर स्थित है। |

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 19. लूनी | अरावली श्रेणी, अजमेर | 450 | बंडी, सुकरी, जवाई | कच्छ की खाड़ी में गिरती है।<br>बाल्टोरा के नीचे इसका जल खारा है। |
| 20. साबरमती | राजस्थान में अरावली श्रेणी | 416 | मेसवा, बकल | यह नदी खंभात की खाड़ी में गिरती है। अहमदाबाद इसी नदी के किनारे स्थित है। |
| 21. महानदी | मध्य प्रदेश में सिंहावा श्रेणी | 858 | सिओनाथ, हंसदेव मांच, इब, तेल | बंगाल की खाड़ी में गिरने से पूर्व कटक के निकट यह एक बड़ा डेल्टा बनाती है। |
| 22. ब्राह्मणी | छोटानागपुर पठार | 705 | यह नदी कोयल एवं सांख नदियों से मिलकर बनी है। | राउरकेला इसी नदी के तट पर स्थित है। |
| 23. स्वर्णरखा | छोटानागपुर पतार | 433 | | जमशेदपुर स्वर्णरेखा नदी के तट पर स्थित है। यह नदी बंगाल की खाड़ी में गिरती है। |
| 24. गोदावरी | पश्चिमी चाट पर्वत में, नासिक जिले से। | 1465 | पेनगंगा, वर्धा, वेनगंगा इंद्रावती, सबरी (बाएं से) मंजीरा (दाएं से) | यह प्रायद्वीपीय भारत की सबसे लंबी नदी है। इसने एक विस्तृत डेल्टा का निर्माण किया है। |
| 25. कृष्णा | महाबलेश्वर के निकट | 1400 | कोयना, पंचगंगा, दूधगंगा, घाटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा, मूसी। | बंगाल की खाड़ी में गिरने से पूर्व एक विस्तृत डेल्टा का निर्माण करती है। इसका डेल्टा गोदावरी डेल्टा से मिल गया है। |
| 26. कावेरी | कुर्ग जिले को जागिरी पहागों से | 760 | हेमवती, शीमशा, कब्बानी भवानी, नोइल, अमरावती | इसे दक्षिण की गंगाश कहा जाता है।<br>इसे ग्रीष्म एवं शीत दोनों ही ऋतुओं में वर्षा का जल प्राप्त होता है, अतः इसमें लगभग सालों भर जल रहता है। श्रीरंगपट्टनम एवं शिवसमुद्रम इस नदी के दो महत्त्वपूर्ण द्वीप हैं। यह नदी शिवसमुद्रम नामक प्रसिद्ध जलप्रपात बनाती है। |
| 27. चम्बल | विंध्याचल पर्वत | 965 | काली सिंघ, पार्वती, बनास | इसकी घाटी में गहरे बीहड़ (Ravines) पाये जाते हैं। |
| 28. सोन | अमरकंटक का पठार | 780 | रिहन्द, कुनहड़ | पटना के निकट गंगा में मिल जाती है। |

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

## अपवाह तंत्र के प्रकार

1. **पूर्ववर्ती अपवाह (Antecedent Drainage):** हिमालय की अधिकांश नदियां जैसे- ब्रह्मपुत्र, सिंधु, तिस्ता एवं भागीरथी।
2. **अनुगामी अपवाह (Consequent Drainage):** दक्षिण भारत का अपवाह तंत्र प्रमुखतः अनुगामी अपवाह तंत्र है। पेरियार, पोन्जानी, शरावती नदियां, पश्चिमी घाट से निकलकर पूरब की ओर बहती हैं। नर्मदा और ताप्ती नदियां भ्रंश क्षेत्रों से होकर बहती है।
3. **अनुवर्ती अपवाह (Subsequent Drainage):** दक्षिणी प्रायद्वीप के उत्तर भाग का ढाल उत्तर की ओर है, इसलिए विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वत क्रम से निकलने वाली नदियां उत्तर की ओर बहती हुई यमुना व गंगा में मिल जाती हैं। इनमें चंबल, केन, सिंधु, बेतवा औरं सोन नदियां उल्लेखनीय हैं। ये नदियां अनुवर्ती अपवाह बनती हैं।
4. **आयताकार अपवाह (Rectangular Drainage):** कोसी और सहायक नदियां।
5. **समानांतर अपवाह (Parallel Drainage):** गंगा के ऊपरी मैदान की नदियां
6. **अंतःस्थलीय अपवाह (Inland Drainage):** राजस्थान की रूपनारायण, मेढा।
7. **खंडित अपवाह (Intermittant Drainage) :** भारत के मैदान में सभी नदियां लुप्त हो जाती हैं और बाद में पुनः धरातल पर बहने लगती हैं। इस प्रकार ये खंडित अपवाह का निर्माण करती हैं।
8. **क्रमहीन अपवाह (Insequent Drainage):** दीवांग एवं लुहित नदियां ब्रह्मपुत्र नदी के साथ क्रमहीन जल अपवाह बनाती है।
9. **अध्यारोपित अपवाह (Super-Imposed Drainage):** दामोदर, स्वर्णरेखा, चंबल तथा बनास नदियां अध्यारोपित जल अपवाह का निर्माण करती हैं।
10. **जालीदार अपवाह (Trellis Drainage):** पूर्वी सिंहभूमि के पुराने वलित पर्वतों में जालीदार अपवाह मिलती है।
11. **अरीय अपवाह (Radial Drainage):** अमरकंटक पर्वत से निकलने वाली नर्मदा, सोन तथा महानदी, अरीय अपवाह तंत्र का निर्माण करती है।
12. **वृक्षनुमा अपवाह (Dentritic Drainage):** दक्षिण भारत की अधिकांश नदियां वृक्षनुमा अपवाह का निर्माण करती हैं।

## महत्त्वपूर्ण तथ्य

- सिंधु, सतलज, अलकनंदा, गंडक, ब्रह्मपुत्र एवं कोसी नदियों द्वार बनाए गए गहरे गार्ज से यह प्रमाणित होता है कि ये सभी नदियां पूर्ववर्ती (Antecedelt) नदियां हैं।
- एक मान्यता यह है कि उत्तर भारत की नदियों का उद्भव इंडो-ब्रह्म नामक नदी से हुआ है। यह नदी असम से पंजाब की ओर प्रवाहित होती थी।
- अपने अस्तित्व के लंबे इतिहास के कारण प्रायद्वीपीय भारत की नदियां प्रौढ़ावस्था में हैं। ये नदियां संतुलित एवं खुली घाटियों से होकर बहती हैं। ये नदियां पार्श्ववर्ती अपरदन करने में संलग्न हैं।
- नर्मदा एवं ताप्ती की घाटी में जलोढ़ निक्षेप एवं डेल्टा का अभाव है। इसका एक कारण यह है कि नदियों द्वारा लाए गए मलबे दरारों में भर गए हैं।
- तीस्ता नदी पहले गंगा की सहायक नदी थी, अब यह ब्रह्मपुत्र की सहायक नदी है।
- हिमालय की कई नदियों ने दूसरी नदियों का जल हड़प (River Capture) किया है, जैसे- भागीरथी, ब्रह्मपुत्र, तीस्ता आदि नदियां।
- दिबांग एवं लोहित नदियां ब्रह्मपुत्र के साथ विपरीत दिशा से आकर मिलती हैं। इस प्रकार ये नदियां क्रमहीन अपवाह (Insequeont Drainage) बनाती हैं।

## भारत की झीलें

1. **विवर्तनिक झीलें (Tectonic Lakes):** वूलर झील (कश्मीर) तथा कुमायूं हिमालय की झीलें।
2. **ज्वालामुखी झीलें (Volcanic Lakes):** लोनार झील (महाराष्ट्र)
3. **अनूप झीलें (Lagoons):** चिलका झील (उड़ीसा), पुलीकट, झील (तमिलनाडु), कोलेरू झील (आंध्र प्रदेश) तथा केरल राज्य की झीलें।
4. **हिमानी झीलें (Glacial Lakes):** कुमायूं हिमालय की झीलें तथा उत्तर प्रदेश व उत्तरांचल की नैनीताल, भीमताल, राकसताल, नौकुचियाताल, समताल, पूनाताल, मालवाताल, खुरपाताल आदि झीलें।
5. **वायु द्वारा निर्मित झीलें (Aeolian or Playa Lakes):** राजस्थान की सांभर, डीडवाना, लूनकरनसर तथा पंचभद्रा झीलें।

# देश की महत्वपूर्ण नदी घाटी परियोजनाएं

| परियोजना का नाम | नदी | लाभान्वित होने वाले राज्य | मुख्य उद्देश्य |
|---|---|---|---|
| 1. भाखड़ा नांगल परियोजना<br>भाखड़ा बांध विश्व का दूसरा सबसे ऊंचा बांध है, जिसकी ऊंचाई नदी तल से 226 मी. एवं समुद्र तल से 518 मी. है।<br>यह भारत की सबसे बड़ी बहुउद्देशीय परियोजना है। | सतलुज | पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश (सिर्फ जल विद्युत) एवं राजस्थान | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 2. राजस्थान नहर या इंदिरा गांधी परियोजना | सतलुज एवं व्यास नदी का संगम | राजस्थान | सिंचाई |
| 3. व्यास परियोजना<br>इसी परियोजना के अंतर्गत पोंग बांध का निर्माण किया गया है। | व्यास | पंजाब, हरियाणा, राजस्थान एवं हिमाचल प्रदेश | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 4. दामोदर घाटी परियोजना<br>यह टेनेसी घाटी परियोजना पर आधारित है।<br>संपूर्ण परियोजना के अंतर्गत 8 बांध, एवं एक अवरोधक बांध बनाया गया है।<br>इसके अलावा बोकारो, चंद्रपुरा एवं दुर्गापुर में तीन तापीय विद्युत गृहों की स्थापना की गई है। | तिलैया बांध-बराकर नदी<br>कोनार बांध-कोनार नदी<br>मैथान बांध-बराकर नदी<br>पंचेत पहाड़ी बांध - दामोदर नदी, बाल पहाड़ी बांध - बराकर नदी, बर्मी बांध दामोदर नदी | झारखंड एवं पश्चिम बंगाल | विद्युत उत्पादन, बाढ़ नियंत्रण, विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई |
| 5. हीराकुण्ड परियोजना<br>हीराकुंड बांध विश्व का सबसे बड़ा मुख्य धारा बांध है। इस बांध की लंबाई 4.8 किलोमीटर एवं ऊंचाई 61 मीटर है। | महानदी | उड़ीसा | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 6. चम्बल परियोजना<br>(1) गांधी सागर बांध - मध्य प्रदेश<br>(2) राणाप्रताप सागर बांध -राजस्थान<br>(3) जवाहर सागर बांध -राजस्थान | चम्बल | राजस्थान एवं मध्य प्रदेश | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 7. तुंगभद्रा परियोजना | तुंगभद्रा नदी | कर्नाटक एवं आंध्र प्रदेश | विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई |
| 8. नागार्जुन सागर परियोजना | कृष्णा | आंध्र प्रदेश | विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई |
| 9. मयूराक्षी परियोजना | मयूराक्षी | पश्चिम बंगाल | विद्युत उत्पादन एवं सिंचाई |
| 10. कोसी परियोजना<br>यह भारत एवं नेपाल की संयुक्त परियोजना है। | कोसी | बिहार एवं नेपाल | बाढ़ नियंत्रण, सिंचाई एवं जल विद्युत |
| 11. गंडक नदी परियोजना | गण्डक | बिहार | सिंचाई एवं विद्युत उत्पादन |
| 12. टिहरी बांध परियोजना | भौलंगाना एवं भागीरथी | उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश | जल विद्युत विद्युत |
| 13. माताटीला परियोजना | बेतवा | उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश | विद्युत एवं सिंचाई |
| 14. कोयना परियोजना | कोयना | महाराष्ट्र | जल विद्युत |
| 15. रामगंगा परियोजना | रामगंगा | उत्तरांचल एवं उत्तर प्रदेश | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 16. कृष्णा परियोजना | कृष्णा | कर्नाटक | सिंचाई |
| 17. वाटप्रभा परियोजना | घाटप्रभा | कर्नाटक | सिंचाई एवं जल विद्युत |
| 18. धान बांध परियोजना | रावि | पंजाब | सिंचाई |
| 19. सलाल परियोजना | चिनाब | जम्मू एवं काश्मीर | जल विद्युत |
| 20. नाथपा-झाकरी परियोजना | सतलुज | हिमाचल प्रदेश,<br>हरियाणा, पंजाब | जल विद्युत |
| 21. पराम्बिकुलम-अलियार परियोजना | -- | तमिलनाडु एवं केरल | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 22. फरक्का परियोजना | गंगा | पश्चिम बंगाल | सिंचाई एवं नौ-परिवहन |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 21. तवा परियोजना | तवा | मध्य प्रदेश | सिंचाई |
| 24. उकाई परियोजना | ताप्ती | गुजरात | सिंचाई एवं जल विद्युत |
| 25. पोचमपाद परियोजना | गोदावरी | आंध प्रदेश | सिंचाई |
| 26. मालप्रभा परियोजना | मालप्रभा | कर्नाटक | सिंचाई |
| 27. जमनालाल बजाज सागर परियोजना | माही | गुजरात | सिंचाई |
| 28. रिहन्द परियोजना | रिहन्द | उत्तर प्रदेश | सिंचाई एवं जल विद्युत |
| 29. इडुक्की परियोजना | पेरियार | केरल | जल विद्युत |
| 30. मचकुण्ड परियोजना | मचकुण्ड | आंध्र प्रदेश, उड़ीसा | सिंचाई, जल विद्युत |
| 31. श्री सेलम परियोजना | कृष्णा | आंध्र प्रदेश | जल विद्युत |
| 32. निजाम सागर | मंजरा | आंध्र प्रदेश | जल विद्युत |
| 33. छिबरो पन बिजली परियोजना | घाघरा | उत्तर प्रदेश | जल विद्युत |
| 34. टाटा जल विद्युत परियोजना | पश्चिमी घाट में बने तीन झील-लोनवाला बलद्वान एवं शिवरता | महाराष्ट्र | जल विद्युत |
| 35. पायकारा परियोजना | पायकारा | तमिलनाडु | जल विद्युत |
| 36. मैटूर परियोजना | कावेरी | तमिलनाडु | जल विद्युत |
| 37. पापनाशम परियोजना | ताम्रपर्णी | तमिलनाडु | जल विद्युत |
| 38. पल्लीवासल परियोजना | मदिरापूजा | केरल | जल विद्युत |
| 39. शिवसमुद्रम परियोजना<br>कावेरी नदी पर कृष्ण राज सागर नामक बांध भी बनाया गया है। | कावेरी | कर्नाटक | जल विद्युत |
| 40. महात्मा गांधी (जोग) परियोजना | श्रावती | कर्नाटक | जल विद्युत |
| 41. श्रावती परियोजना | श्रवती | कर्नाटक | जल विद्युत |
| 42. काली नदी परियोजना | कालीनदी | कर्नाटक | जल विद्युत |
| 41. सुवर्णरेखा परियोजना | सुवर्णरेखा | बिहार | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 44. साबरमती परियोजना | साबरमती | गुजरात | जल विद्युत |
| 45. बरगी परियोजना | बरगी | मध्य प्रदेश | जल विद्युत |
| 46. लोकटक परियोजना | मणिपुर | मणिपुर | जल विद्युत |
| 47. दुलहस्ती परियोजना | चिनाब | जम्मू-कश्मीर | जल विद्युत |
| 48. फाडी जल विद्युत परियोजना | पार्वती | हिमाचल प्रदेश | जल विद्युत |
| 49. तुलबुल परियोजना | झेलम | जम्मू-कश्मीर | जल विद्युत |
| 50. टनकपुर बांध परियोजना | महाकाली | भारत एवं नेपाल | जल विद्युत |
| 51. सरदार सरोवर परियोजना | नर्मदा | मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र गुजरात एवं राजस्थान | जल विद्युत एवं सिंचाई |
| 52. चुखा जल विद्युत परियोजना | वांग्चू | भारत एवं भूटान | जल विद्युत |
| 53. राजघाट परियोजना | बेतवा | मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश | जल विद्युत एवं सिंचाई |

# देश की प्रमुख नहरें

| राज्य | नहर | मुख्य स्त्रोत | राज्य | नहर | मुख्य स्त्रोत |
|---|---|---|---|---|---|
| पंजाब | सरहिन्द नहर<br>ऊपरी बारी दोआब नहर<br>नांगल बांध नहर<br>बिस्त दोआब नहर<br>भाखड़ा नहर<br>पूर्वी नहर | सतलुज नदी<br>रावी नदी<br>सतलुज नदी<br>सतलुज नदी<br>सतलुज नदी<br>रावी नदी | हरियाणा | पश्चिमी यमुना नहर<br>गुड़गांव नहर | यमुना नदी<br>यमुना नदी |
| उत्तर प्रदेश | पूर्वी यमुना नहर<br>आगरा नहर<br>ऊपरी गंगा नहर<br>निचली गंगा नहर<br>शारदा नहर<br>बेतवा नहर | यमुना नदी<br>यमुना नदी<br>गंगा नदी (हरिद्वार)<br>गंगा नदी (नरौरा)<br>शारदा नदी<br>बेतवा नदी (झांसी के समीप) | महाराष्ट्र | गोदावरी नहर<br>मूठा नहर<br>भंडारदार बांध की नहरें<br>मूला परियोजना<br>वीर परियोजना<br>वीर परियोजना | गोदावरी नदी<br>फाइफ झील<br>(खड़कवासला नामक<br>स्थान से)<br>प्रवरा नदी<br>मूला नदी<br>मूला नदी<br>नीरा नदी |
| बिहार | पूर्वी सोन नहर<br>पश्चिमी सोन नहर<br>त्रिवेणी नहर<br>गंडक बांध परियोजना | सोन नदी<br>सोन नदी<br>गण्डक नदी<br>गंडक नदी | तमिलनाडु | कावेरी डेल्टा नहर<br>पेरियार परियोजना<br>मैटूर परियोजना<br>निचली भवानी नहर | कोलेरून नदी<br>पेरियार नदी<br>कावेरी नदी<br>भवानी नदी (कावेरी की<br>सहायक नदी) |
| पं. बंगाल | मिदनापुर नहर<br>एडम नहर<br>तिलपाड़ा बांध की नहरें<br>दामोदर नदी की नहरें | कोसी नदी<br>दामोदर नदी<br>मयूराक्षी नदी<br>दामोदर नदी (दुर्गापुर) | केरल | मालमपुजा बांध की नहरें<br>वलायर जलाशय की<br>नहरें<br>मंगलन योजना की नहरें | मालमपुजा नदी<br>(मालाबार जिला)<br>वलायर नदी (पेरियार की<br>सहायक नदी)<br>मालाबार जिला |
| राजस्थान | बीकानेर नहर<br>कालीसिल परियोजना<br>गम्भीरी परियोजना<br>बांकली परियोजना<br>पार्वती परियोजना<br>गूढ़ा परियोजना<br>मोरेल परियोजना<br>जग्गर परियोजना<br>इंदिरा नहर | सतलुज नदी (फिरोजपुर)<br>कालीसिल नदी<br>गम्भीरी नदी<br>सूकरी नदी<br>पार्वती नदी<br>मेजा नदी<br>मोरेल नदी<br>जग्गर नदी<br>सतलुज एवं व्यासदियों के<br>संगम पर स्थित हरिके बैराज | आंध्र प्रदेश | गोदावरी डेल्टय की नहरें<br>कृष्णा डेल्टा की नहरें<br>कृष्णा सिंचाई योजना की<br>नहरें<br>रामपद सागर परियोजना<br>तुंगभद्रा परियोजना पेन्नार<br>परियोजना | गोमती, गोदावरी तथा<br>विशिष्ट गोदावरी<br>कृष्णा नदी<br>कृष्णा नदी (कृष्णा<br>एनीकट से 18 मील<br>ऊपर)<br>गोदावरी नदी<br>तुंगभद्रा नदी<br>कृष्णा तथा पेन्नार नदी। |

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

KGS Campus Patna –6 Mob. : 8877918018, 8757354880

# भारत की नवीन जलविद्युत परियोजनाएं

| परियोजना | राज्य |
|---|---|
| दुलहस्ती जल विद्युत परियोजना | जम्मू-काश्मीर |
| उरी जल विद्युत परियोजना | जम्मू-काश्मीर |
| सलाल जल विद्युत परियोजना | जम्मू-काश्मीर |
| नाथपा-झाकरी जल विद्युत परियोजना | हिमाचल प्रदेश |
| चमेरा जल विद्युत परियोजना | हिमाचल प्रदेश |
| धौली गंगा जल विद्युत परियोजना | उत्तर प्रदेश |
| रंगीत विद्युत परियोजना | सिक्किम |
| कोयल-कारो जल विद्युत परियोजना | झारखण्ड |
| गौरी गंगा जल विद्युत परियोजना | उत्तर प्रदेश |
| दोयांग जल विद्युत परियोजना | नागालैंड |
| रंगानदी जल विद्युत परियोजना | अरुणाचल प्रदेश (100) |
| पापुम पाम जल विद्युत परियोजना | अरुणाचल प्रदेश |
| ढिकरोंग जल विद्युत परियोजना | अरुणाचल प्रदेश |
| पाकी जल विद्युत परियोजना | अरुणाचल प्रदेश |
| धालेश्वरी जल विद्युत परियोजना | मिजोरम |
| तुईबुई जल विद्युत परियोजना | मिजोरम |
| अपर लोहित जल विद्युत परियोजना | अरुणाचल प्रदेश |
| कामेंग जल विद्युत परियोजना | अरुणाचल प्रदेश |
| दमवे जल विद्युत परियोजना | अरुणाचल प्रदेश |
| कोपली जल विद्युत परियोजना | असम |
| कोटेश्वर जल विद्युत परियोजना (भागीरथी नदी पर) | उत्तर प्रदेश |
| टिहरी जल विद्युत परियोजना | उत्तरांचल |
| टनकपुर जल विद्युत परियोजना | उत्तर प्रदेश |

# भारत की प्रमुख जल विद्युत योजनाएं

| राज्य | योजना | स्थापित क्षमता (मेगावॉट) |
|---|---|---|
| पंजाब | 1. भाखड़ा | 1140 |
| | 2. देहर | 990 |
| | 3. पोंग | 360 |
| बिहार | 1. स्वर्णरेखा | 130 |
| | 2. मैथन | 60 |
| उड़ीसा | हीराकुंड | 270 |
| मणिपुर | लोकटक | 105 |
| जम्मू कश्मीर | लोअर झेलम | 905 |
| राजस्थान | 1. राणा प्रताप सागर | 172 |
| | 2. जवाहर सागर | 99 |
| उत्तर प्रदेश | 1. रिहन्द | 300 |
| | 2. रामगंगा | 198 |
| | 3. यमुना स्टेज | 494 |
| गुजरात | इकाई I से IV | 300 |
| मध्य प्रदेश | गांधी सागर | 115 |
| महाराष्ट्र | 1. कोयना | 880 |
| | 2. टाटा | 276 |
| आंध्र प्रदेश | 1. लोअर एवं अपर सिलेरू | 520 |
| | 2. मछकुण्ड | |
| | 3. नागार्जुन सागर | 114.7 |
| | 4. श्री सेलम | 510 |
| | | 330 |
| कर्नाटक | 1. शरावती | 891 |
| | 2. कालीनदी | 810 |
| | 3. जोग | 120 |
| केरल | 1. इड्डुकी | 390 |
| | 2. साबिरीगिरी | 300 |
| तमिलनाडु | 1. कुण्डा 1 - 5 | 335 |
| | 2. पाइकारा | 100 |
| | 3. मैट्टूर | 240 |
| | 4. पेरियार | 140 |

# भारत की प्रमुख घाटियाँ

| जम्मू-कश्मीर/लद्दाख | |
|---|---|
| **घाटी** | **विवरण** |
| मर्खा घाटी | लद्दाख की प्रसिद्ध घाटी है। हेमिस राष्ट्रीय उद्यान हेतु मार्ग उपलब्ध कराती है। |
| कश्मीर घाटी | महान हिमालय एवं पीर पंजाल श्रेणियों के मध्य अवस्थित बनिहाल दर्रे द्वारा जम्मू से जुड़ी हुई है। इसकी रचना एक समभिनति में हुई है। |
| नुब्रा घाटी | सियाचिन हिमनद लद्दाख से निकलने वाली नुब्रा नदी द्वारा निर्मित है। |
| सुरु घाटी | इसका कारगिल कस्बे लद्दाख के लिये काफी महत्त्व है। |

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

| हिमाचल प्रदेश | |
|---|---|
| किन्नौर घाटी | यह घाटी हिमाचल प्रदेश के उत्तर-पूर्वी भाग में स्थित है जो तिब्बत की सीमा के समीप है। यह हिमाचल प्रदेश के अंतिम गाँव 'चिटकुल' को मार्ग प्रदान करती है। |
| पार्वती घाटी | हिमाचल प्रदेश के कुल्लू स्थित यह घाटी हिंदू एवं सिख तीर्थयात्रियों को मणिकर्ण शहर जाने के लिये मार्ग प्रदान करती है (मणिकर्ण गर्म पानी के फव्वारों के लिये प्रसिद्ध है)। |
| सांगला घाटी | इसे 'बास्पा घाटी' के नाम से भी जाना जाता है। |
| मालना घाटी | यह हिमाचल प्रदेश में 'छोटा यूनान' के रूप में प्रसिद्ध है। |
| कुल्लू घाटी | इसे 'देवताओं की घाटी' कहा जाता है। इसे सात दिवसीय दशहरा त्योहार के लिये भी जाना जाता है। यह धौलाधार एवं पीर पंजाल श्रेणियों के मध्य अवस्थित है। |
| पांगी घाटी | लाहुल, पंगवाला और भोटिया लोगों का आवास क्षेत्र है। |
| स्पीति घाटी | बौद्धों का प्रसिद्ध श्ताबो मठश इसी घाटी में अवस्थित है। |
| लाहुल घाटी | इसी घाटी से होकर ही चंद्र एवं भागा नदियाँ प्रवाहित होती हैं। |
| कांगड़ा घाटी | प्रमुख सांस्कृतिक एवं पर्यटन स्थल 'धर्मशाला' इसी घाटी में अवस्थित है। |
| चंबा घाटी | भारमौर, डलहौजी एवं खज्जियार प्रमुख पर्यटन स्थल इसी घाटी में अवस्थित हैं। |

| उत्तराखंड | |
|---|---|
| दून घाटी | यह घाटी शिवालिक हिमालय एवं लघु हिमालय के मध्य स्थित है। यह हिमालय की अनुदैर्ध्य घाटी का उदाहरण है। |
| जोहार घाटी | इसे मिलम घाटी एवं गोरीगंगा घाटी के नाम से भी जाना जाता है। |
| फूलों की घाटी | चमोली जिले में स्थित, वन्य जीवों के लिये प्रसिद्ध है। इसे यूनेस्को के बायोस्फीयर नेटवर्क में 2004 में शामिल किया गया। |
| धर्मा घाटी | इसका निर्माण धर्मागंगा नदी द्वारा होता है। |
| सोर घाटी | यह घाटी पिथौरागढ़ में स्थित है। यहाँ कत्यूरी राजवंश का शासन था; ये अयोध्या से यहाँ आए थे। |
| नेलांग घाटी | यह घाटी उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री नेशनल पार्क में अवस्थित है। यह भारत-चीन सीमा के निकट स्थित है, जिसे वर्ष 1962 के युद्ध के बाद बंद कर दिया गया था। मई 2015 में इसे पर्यटकों के लिये खोल दिया गया है। |

| पश्चिम बंगाल | |
|---|---|
| न्योरा घाटी | यह दार्जिलिंग के कलिंपोंग में स्थित है। इसे 1986 में 'राष्ट्रीय पार्क' घोषित किया गया। |

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

| सिक्किम | |
|---|---|
| चुंबी घाटी | चुंबी घाटी का भारत (सिक्किम), भूटान व चीन (तिब्बत) तीनों के मिलन बिंदु पर स्थित होने के कारण सामरिक महत्त्व अधिक है। 'डोकलाम' क्षेत्र इसी के अंतर्गत आता है। यह घाटी सिलीगुड़ी (भारत का चिकेन नेक) से लगभग 500 किमी. की दूरी पर है। चुंबी घाटी पहले सिक्किम का हिस्सा थी, जो वर्ष 1792 में तिब्बत का अंग बनी। यहाँ के स्थानीय निवासियों को 'प्रोमोवा' कहा जाता है, जो तिब्बती वंश के हैं। |
| यूथांग घाटी | हॉट स्प्रिंग के लिये प्रसिद्ध यूथांग घाटी रोडोडेंड्रान झाड़ियों व अन्य वनस्पति प्रजातियों से ढकी हुई है। |

| नगालैंड | |
|---|---|
| जुकू घाटी | भारत के पूर्वोत्तर राज्य नगालैंड में स्थित, जून एवं सितंबर माह में संपूर्ण घाटी जंगली फूलों से ढक जाती है। |

| आंध्र प्रदेश | |
|---|---|
| अराकु घाटी | यह घाटी गलीकोंडा, रात्ताकोंडा, सुंकरीमेट्टा एवं चितामोगोंडी नामक पहाड़ियों से घिरी है। |

| तमिलनाडु | |
|---|---|
| कंबम घाटी | यह थेक्काड़ी, वरुसनादु एवं कोडाइकनाल पहाड़ियों से घिरी है। |

| केरल | |
|---|---|
| शांत घाटी | जैव-विविधता हेतु प्रसिद्ध, यह केरल के पलक्कड़ जिले में नीलगिरि की पहाड़ियों पर स्थित है। 1847 में शोध हेतु रॉबर्ट वाइट यहाँ आने वाले प्रथम अंग्रेज थे। कुंथी नदी यहाँ के वन क्षेत्र से उद्गमित होती है। |

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR